तनाव और लापरवाही से बढ़ रही हैं दुर्घटनाएं

रायपुर-चौबे कॉलोनी(छ.ग.)। ज़्यादातर दुर्घटनाएं वाहन चालक की लापरवाही से होती हैं। उसे यह समझ ही नहीं होती है कि उसका एक कृत्य कितने लोगों को बेसहारा बना देगा। सजगता के अभाव में दुर्घटनाओं पर काबू पाना सम्भव नहीं है। इसके साथ ही तनाव और तेज़ गति से वाहन चलाने से भी दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। उक्त विचार ब्र.कु. कमला दीदी ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सड़क दुर्घटना में पीड़ित लोगों की याद में विश्व यादगार दिवस पर 'आध्यात्मिकता से सुरक्षा' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। उन्होंने मुम्बई का उदाहरण देते हुए बतलाया कि वहाँ पर शासकीय परिवहन विभाग बेस्ट के ड्राइवर्स और कण्डक्टर्स को नियमित रूप से ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा राजयोग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है तथा इससे उनके आचरण और व्यवहार में ज़बरदस्त परिवर्तन देखने को मिल रहा है। उन्होंने तनाव को भी दुर्घटनाओं का एक कारण बतलाते हुए कहा कि योग से तनाव को दूर किया जा सकता है। यातायात प्रशिक्षक टी.के. भोई ने अपने बचपन को याद करते हुए बतलाया कि उन्हें बचपन से ही घर और परिवार में माँ से नैतिकता की शिक्षा और अच्छे संस्कार मिले। जिसके कारण भविष्य में उन्हें आगे बढ़ने में बहुत मदद मिली। उन्होंने सभी माताओं से अपील की कि जब बच्चा गाड़ी लेकर घर से निकले तो उन्हें यातायात नियमों का पालन करने और धीरे वाहन चलाने के लिए प्रेरित अवश्य करें। उन्होंने बताया कि विश्व में प्रतिवर्ष दस लाख लोग दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। अकेले भारत में पिछले वर्ष एक लाख छियालिस हज़ार पाँच सौ तैंतीस लोगों ने दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाई। इनमें से अधिकांश युवा थे। इसके अलावा पाँच लाख लोग अपंग हो गए। उन्होंने दुर्घटनाग्रस्त लोगों की सहायता करने की सलाह देते हुए बताया कि शासन द्वारा वर्ष 1916 में बनाए गए कानून के अनुसार आपको पुलिस अथवा अस्पताल द्वारा कोई पूछताछ या परेशान नहीं किया जाएगा। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. अदिति ने कहा कि सुरक्षित यात्रा के लिए मानसिक एकाग्रता बहुत ज़रूरी है। जो कि मेडिटेशन द्वारा ही संभव है। आध्यात्मिकता से हमें सुरक्षित यात्रा में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि गाड़ियों की क्षतिपूर्ति तो इन्श्योरेन्स द्वारा हो जाती है, लेकिन शारीरिक क्षति की भरपाई नहीं की जा सकती। नियम और संयम ही यात्रा को सुरक्षित बनाते हैं। संचालन ब्र.कु. भावना ने किया।

सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. कमला। साथ हैं यातायात प्रशिक्षक टी.के. भोई तथा ब्र.कु. अदिति।

» विश्व यादगार दिवस पर कार्यक्रम के दौरान दो मिनट मौन रखकर पीड़ितों को प्रदान किया गया आत्म सम्बल

दुःख का हल नशा नहीं होता

'माई एडिक्शन फ्री सहारनपुर' अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का सफल आयोजन

सहारनपुर-उ.प्र.। 'माई एडिक्शन फ्री सहारनपुर' विषय पर आयोजित पब्लिक अवयेरनेस कार्यक्रम में राज्यमंत्री एवं उ.प्र. आयुष विभाग के स्वतंत्र प्रभारी डॉ. धरम सिंह सैनी ने कहा कि जो लोग जीवन में समस्याओं से डरते हैं, वे हानिकारक व्यसनों के आदती बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर दुःखों का हल नशा होता तो सारी दुनिया इसकी ही मदद लेती। उन्होंने मिरागपुर गांव का उदाहरण देते हुए कहा कि इस गांव का हर घर या पूरा ही गांव पूरी तरह से हानिकारक व्यसनों से मुक्त है। अब हमें नशा मुक्ति के लिए और भी बड़े स्तर पर अभियान चलाना है और पूरे जिले को व्यसनमुक्त बनाना है।

ब्र.कु. डॉ. सचिन परब,मुम्बई ने कहा कि हमारा उद्देश्य पहले स्वयं को बदलकर फिर दूसरों को बदलने के लिए प्रेरित करना है। हमें किसी को मजबूर नहीं करना चाहिए। उन्होंने एक स्लाइड शो के माध्यम से धूम्रपान, शराब पीने और तम्बाकू चबाने के खराब प्रभाव को दर्शाया तथा कहा कि आज चार वर्ष के बच्चे भी तम्बाकू के सेवन से मुँह के कैंसर में वृद्धि कर रहे हैं। शराब पीने वाले की विभिन्न दुर्घटनाओं में मौत हो जाती है तथा वे नशे की स्थिति में दूसरों को भी चोट पहुंचाते हैं। डॉ. सचिन ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में ओपियम की अवैद्य खेती अधिक मात्रा में हो रही है, जो भारत को पूरी तरह से नष्ट करने के लिए पर्याप्त है।

जिला कमिश्नर सी.पी. त्रिपाठी ने कहा कि ऐसी हानिकारक वस्तुओं से सम्बंधित किसी भी तथ्य के बारे में पुलिस को सूचित करना चाहिए जिससे कि पुलिस इसके खिलाफ उचित कार्यवाही कर सके।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. सचिन परब की अगुआई में सभी ने व्यसन से मुक्त रहने की शपथ ली।

सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रानी ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर सांसद राघव लखनपाल सिंह, मेयर संजीव वलिगा, विधायक देवेन्द्र निम, विधायक संजीव गर्ग, डी.आई.जी. शरद साचन, एस.एस.पी. उपेन्द्र कुमार अग्रवाल, डॉ. शरद अग्रवाल, म्युनिसिपल कमिश्नर ज्ञानेन्द्र सिंह तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

डॉ. धरम सिंह सैनी, डॉ. सचिन परब व ब्र.कु. रानी के साथ दीप प्रज्वलित करते अतिथिगण।

शाश्वत यौगिक खेती से जुड़ते किसान

'सम्पूर्ण ग्राम विकास' किसान सम्मेलन

गुवाहाटी-असम।

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सोनाराम एच.एस. प्ले ग्राउण्ड में आयोजित 'सम्पूर्ण ग्राम विकास किसान सम्मेलन' में राज्य के विभिन्न हिस्सों के कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों, अधिकारियों एवं तीन हज़ार से अधिक किसानों ने भाग लिया।

राजयोगिनी ब्र.कु. सरला, अध्यक्षा,कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग ने पूरे देश के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए किसानों से 'शाश्वत यौगिक खेती' को अपनाने का आह्वान किया तथा कहा कि किसान संकल्प शक्ति का प्रयोग करें और फैसला करें कि वे अपने साथी देशवासियों को बढ़ती उत्पादकता के नाम पर ज़हर नहीं खिलायेंगे। उन्होंने कहा कि शाश्वत यौगिक खेती से कृषि उपज रासायनिक कीटनाशकों की तुलना में अधिक प्रभावी होने के अलावा रासायनिक आधारित उर्वरकों की तुलना में अधिक पोषण, स्वास्थ्य और संतुष्टि प्रदान करता है।

विशेष अतिथि रंजीत दास, प्रेसीडेंट,असम स्टेट कमेटी, बीजेपी ने अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए कहा कि किसानों के सशक्तिकरण का कार्य अभी तक सरकार का कर्त्तव्य माना जाता रहा है, लेकिन ब्रह्माकुमारीज़ एक आध्यात्मिक संस्थान होते हुए भी इस कार्य को खूबसूरती से पूरा कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जैविक खेती के उत्तर पूर्वी केन्द्र बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को पूरा करने के लिए दांतों और नाखूनों का ज़ोर लगा रही है। इसके साथ ही उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ को किसानों को सशक्त बनाने के अपने प्रयास में सभी आवश्यक सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। डॉ. जॉन एक्का,प्रिन्सीपल सेक्रेटरी, पंचायत एंड रूरल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट,असम तथा पंचायत एंड रूरल डेवलपमेंट मिनिस्टर के प्रतिनिध के रूप में सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने शाश्वत यौगिक एवं जैविक खेती के प्रति जागृत करने हेतु विभिन्न योजनाएं बनाई हैं तथा किसानों को इन योजनाओं का लाभ उठाने हेतु प्रेरित भी किया जा रहा है। ब.कु. सुमंत,मुख्यालय संयोजक,प्रभाग ने किसानों को शाश्वत यौगिक खेती की तकनीक को लागू करने के तरीकों को समझाया जो न केवल उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार करते हैं बल्कि इसकी मात्रा भी बढ़ाते हैं। मंजू रानी बरमन,प्रिन्सीपल, सोनाराम एच.एस. स्कूल ने कार्यक्रम आयोजकों को इस तरह के महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाने के लिए धन्यवाद दिया और कामना की कि सरकार स्कूल के पाठ्यक्रम में शाश्वत यौगिक खेती को शामिल करे। असम कृषि विश्वविद्यालय के प्रधानाचार्य वैज्ञानिक धीरेन कलिता, मुकुट डेका,वाइस चेयरमैन, जी.एम.डी.ए., भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष प्रण कुमार दास तथा उपाध्यक्ष मुकुल वोरा ने सम्बोधित किया। इससे पूर्व उपक्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. शीला दीदी ने सभी का स्वागत किया।

ब्र.कु. शीला दीदी तथा ब्र.कु. सरला के साथ दीप प्रज्वलित करते गणमान्य अतिथिगण।

शाश्वत यौगिक खेती के फायदे

- प्रदेश में शाश्वत यौगिक खेती के प्रति बढ़ता रुझान
- शाश्वत यौगिक खेती से मिलती अधिक उपज एवं उन्नत और पौष्टिक अनाज
- शाश्वत यौगिक खेती से किसानों की आय में होती बढ़ोतरी
- शाश्वत यौगिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार करेगी सहयोग
- समाज में जहां पुष्टता है, वहां सुस्वास्थ्य है

राजयोग मेडिटेशन कर मनाया विश्व यादगार दिवस

भोपाल म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा विश्व यादगार दिवस पर स्थानीय सेवाकेन्द्र के सैकड़ों भाई बहनों द्वारा उन आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई जिन्होंने सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाई।

उन आत्माओं को सम्बल प्रदान करने के लिए तीन घंटे सामूहिक योगाभ्यास भी किया। केन्द्र के समीप स्ट्रीट के दोनों तरफ बैठकर पूरे विश्व में शांति के प्रकम्पन फैलाये। इस कार्यक्रम के द्वारा यातायात नियमों का गम्भीरता से पालन करके इस तरह की दर्दनाक घटनाओं से बचने के लिए जनता में जागरुकता लाने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर भोपाल में गुलमोहर कॉलोनी की प्रभारी ब्र.कु. डॉ. रीना ने कहा कि सड़क दुर्घटना में पीड़ितों के लिए विश्व यादगार दिन को पहली बार स्ट्रीट पर इस अनूठे तरीके से मनाया गया है। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति एक उद्देश्य के साथ इस विश्व नाटक में अपनी भूमिका निभाने के लिए पृथ्वी पर आता है। तो हर किसी का जीवन बहुत मूल्यवान है। संसार में हर कोई अपनी यात्रा पर है। उनके जीवन में अपने अनुभवों को बढ़ाने के लिए उनकी अपनी महत्वाकांक्षाएं, सपने, प्रयास, आनन्दमयी उड़ानें, रिश्ते, और विभिन्न चुनौतियां हैं। ऐसी यात्रा के दौरान यदि उसके साथ कोई दुर्घटना हो जाती है और वो मर जाता है तो यह दूसरों के लिए एक बहुत ही असहनीय सदमा है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाएं आमतौर पर जानबूझकर नहीं होती हैं। यह सबसे अप्रत्याशित घटना है। हमारी आधुनिक एवं बहुत तेज़ जीवनशैली, प्रतियोगिताओं से भरा जीवन, धन इकट्ठा करने की होड़, तनाव, स्वचालित काम करने वाली मशीनें और नशे की लत वाली शराब पीने की संस्कृति आदि दुनिया में होने वाली कई दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं।

उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि इस समय हमें सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए अधिक सतर्क और सावधान रहने की ज़रूरत है।

इस अवसर पर उन्होंने श्रोताओं को सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ यातायात में वाहन चलाते समय शांत और रचनात्मक होने के लिए सुरक्षा नियमों के बारे में जागरुक होने को कहा। सभी ने हाथ में जलती हुई मोमबत्ती लेकर पीड़ित आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए यातायात नियमों का पालन करने की प्रतिज्ञा की।

यातायात नियमों के पालन की प्रतिज्ञा करते हुए ब्र.कु. डॉ. रीना तथा अन्य भाई बहनें।

- सामूहिक राजयोग करके वायुमण्डल में शांति के प्रकम्पन फैलाये
- दुर्घटना से बचने के लिए परिवहन नियमों के प्रति किया जागरुक
- सभी के जीवन के मूल्य को समझने का किया आह्वान
- स्ट्रीट के दोनों ओर बैठकर पीड़ित आत्माओं की शांति के लिए किया योगदान

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd Dec 2018
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।